Class - VII हिन्दी पाठ - 4 अध्यापक के नाम एक पत्र

PAGE NO.

DATE 24 6 21

श्रुतलेख

1 दृढ़ निश्चय
2 मानसिक
3 प्रासंगिक
4 मर्मस्पर्शी
5 प्रेरणादायी
6 समर्पित
7 अपेक्षा
8 उद्दंड
9 प्रताड़ित
10 स्वार्थी

Scanned by TapScanner

अभ्यास

Pdf Send - 30/6/21

25/6/21

पाठ से

पाठ - 4 पुस्तक - कार्य

C.W.

मौखिक (Oral)

1. यह पत्र किसने, किसे लिखा? अब्राहम लिंकन ने अपने बेटे के अध्यापक को।
2. समाज में किस प्रकार के लोग रहते हैं? कुछ सच्चे व ईमानदार तथा कुछ झूठे और बेईमान।
3. धोखा देने से अधिक सम्मानजनक क्या है? असफल होना।
4. कैसे लोगों से कठोरता का व्यवहार करना चाहिए और क्यों? उद्दंड व्यक्ति के साथ कठोरता का व्यवहार करना चाहिए क्योंकि जो जैसा होता है उसके साथ वैसा व्यवहार करना उचित है।

पढ़कर बताइए (Read and answer)

1. लिंकन ने किस कार्य को समय-साध्य बताया है?
2. **सही वाक्य पर सही (✓) तथा गलत वाक्य पर गलत (✗) का चिह्न लगाइए–**

(क) अध्यापक का कार्य कारुणिक होता है। ✗

(ख) धोखा देने की तुलना में असफल होना अधिक सम्मानजनक है। ✓

(ग) भद्रजनों के साथ कठोरता का व्यवहार करना चाहिए। ✗

(घ) विषाद के क्षणों में भी मुसकराना चाहिए। ✓

Scanned by TapScanner

2. ...

भाषा से

श्रुतलेख– स्वार्थी, समर्पित, प्रताड़ित, शाश्वत, उद्दंड, मस्तिष्क, क्षण, संघर्ष, अग्नि-परीक्षा, अपेक्षा।

1. • अनेक शब्दों को संक्षिप्त करके नए शब्द बनाने की प्रक्रिया को **समास** कहते हैं। जैसे– राज का पुरुष = राजपुरुष, विद्या का आलय = विद्यालय, सुख और दुख = सुख-दुख आदि।
   • समास की प्रक्रिया से बनने वाले नए शब्द **समस्त-पद** कहलाते हैं। जैसे– चौराहा, रसोईघर, गुरुदक्षिणा आदि।
   • समस्त-पदों को विस्तृत रूप में लिखने की प्रक्रिया को **समास-विग्रह** कहा जाता है। जैसे–

राजपुत्र	=	राजा का पुत्र	धनहीन	=	धन से हीन
नीलकमल	=	नीला है कमल जो	अन्न-जल	=	अन्न और जल
त्रिकोण	=	तीन कोणों का समूह			

दिए गए समस्त-पदों का समास-विग्रह कीजिए–

(क) जनकल्याण – जन का कल्याण
(ख) समय-साध्य – समय के लिए साध्य
(ग) खेल-भावना – खेल की भावना
(घ) हरा-भरा – हरा और भरा
(ङ) विश्वासहीन – विश्वास से हीन

2. **दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

(क) मनुष्य – मानव नर मानस
(ख) आकाश – नभ गगन अंबर
(ग) पक्षी – नभचर पंछी परिंदा
(घ) पुत्र – बेटा सुत तनय

Scanned by TapScanner

3. • बच्चे मैदान में खेलते हैं। • माँ सोनू के लिए दूध लाईं। • रीतू ने फूलों की रंगोली बनाई

उपर्युक्त वाक्यों में प्रयुक्त 'में', 'के लिए', 'ने', 'की' आदि शब्द वाक्य के अर्थ को पूर्ण कर रहे हैं। इन्हें **कारक-चिह्न** कहा जाता है। संज्ञा और सर्वनाम का क्रिया से संबंध बताने वाले शब्द **कारक** कहलाते हैं। जैसे उपर्युक्त वाक्यों में 'मैदान में' 'सोनू के लिए', 'रीतू ने', 'फूलों की'– कारक हैं। कारक के आठ भेद हैं–

कारक का नाम	चिह्न
i. कर्ता कारक	ने
ii. कर्म कारक	को
iii. करण कारक	से/द्वारा
iv. संप्रदान कारक	के लिए/को
v. अपादान कारक	से (अलग होने के अर्थ में)
vi. संबंध कारक	का, के की; रा, रे, री; ना, ने, नी
vii. अधिकरण	में/पर
viii. संबोधन	हे, अरे, ओह

दिए गए वाक्यों में कारक रेखांकित करके उनके भेद का नाम लिखिए–

(क) यहाँ जनकल्याण के लिए समर्पित नेता भी हैं। ------संप्रदान कारक

(ख) भद्रजनों के साथ भद्र व्यवहार करो। ----संबंध कारक

(ग) सबकी बात ध्यानपूर्वक सुनो। ----संबंध कारक

(घ) आँखों में आँसू भरना लज्जा की बात नहीं। ----अधिकरण कारक

Scanned by TapScanner

PAGE NO.
DATE 30 6 21

पाठ - 4 अध्यापक के नाम एक पत्र

लघु उत्तरीय प्रश्न :-

उ०1. आँख में आँसू आना लज्जा की बात नहीं है। दुख के समय आँख में आँसू आना एक प्राकृतिक क्रिया है।

उ०2. प्रकृति में अनेक शाश्वत रहस्य छिपे हैं जिन पर चिंतन - मनन करके हम बहुत कुछ सीख सकते हैं इसलिए लिंकन ने प्रकृति के शाश्वत रहस्य के मनन की बात की है।

उ०3. लिंकन ने चीखने - चिल्लाने वालों की उग्र भीड़ की ओर से कान बंद करने की सीख दी है क्योंकि ऐसे लोग ज़बरदस्ती चीख - चिल्लाकर अपना विरोध प्रदर्शित कर अपनी गलत बात को सही साबित करने में लगे रहते हैं। लिंकन ने इसके स्थान पर अपने पक्ष को सही मानकर उस पर दृढ़ रहने और संघर्ष करने की सीख दी है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

उ०1. लिंकन ने अपने पुत्र के अध्यापक को वे सभी बातें बताने के लिए यह पत्र लिखा था जो वे अपने पुत्र को सिखाना चाहते थे। वे चाहते थे कि उनके पुत्र का शिक्षक उनके पुत्र को समझदार, स्वावलंबी, सत्यवादी, शांत, प्रकृति - प्रेमी तथा व्यवहार कुशल बनाए।

Scanned by TapScanner

PAGE NO.
DATE

उ०-2. लिंकन ने मनुष्यों की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई हैं —

(1) सभी मनुष्य न्यायप्रिय, सच्चे तथा ईमानदार नहीं होते।

(2) कुछ दुष्ट होते हैं तो कुछ शूरवीर होते हैं।

(3) कुछ स्वार्थी राजनेता होते हैं तो कुछ जनकल्याण के लिए समर्पित नेता होते हैं।

(4) कुछ मनुष्य शत्रु होते हैं तथा कुछ मित्र होते हैं।

उ०-3. अध्यापक का कार्य समय-साध्य है। शिक्षक का दायित्व है कि वह विद्यार्थी को परिश्रम का महत्व बताए। उन्हें खेल-भावना से हारना-जीतना सिखाए। उनके अंदर से ईर्ष्या आदि विकारों को दूर करे। प्रकृति के शाश्वत रहस्यों का मनन करना सिखाए। स्वयं पर दृढ़ विश्वास करना सिखाए। दुख के क्षणों में मुसकुराना तथा मधुरता से सावधान रहना सिखाए। अपनी बात पर दृढ़ होकर संघर्ष करना सिखाए।

उ०-4. प्रकृति मनुष्य को शाश्वत रहस्यों से परिचित करवाती है। लिंकन ने प्रकृति के निकट रहने का परामर्श इसलिए दिया है ताकि बच्चे प्रकृति के शाश्वत सत्यों का मनन कर सकें और उससे सीखें।

Scanned by TapScanner

PAGE NO.

DATE

उ० 5 (क) लिंकन ने इस पंक्ति के माध्यम से यह कहा है कि शिक्षक उनके पुत्र को बताएँ कि जब हम मौन रूप से हँसते हैं तो वह हमारी हृदय की प्रसन्नता का द्योतक होता है।

उ० 5 (ख) लिंकन का इस पंक्ति से आशय यह है कि धोखा देकर सफलता प्राप्त करने से अधिक सम्मानजनक असफल होना होता है। दोबारा कोशिश कर ईमानदारी, सच्चाई और परिश्रम से सफलता प्राप्त करना अधिक सम्मानजनक है।

उ० 5 (ग) मनुष्य को उसके अधीन कार्य करना चाहिए जो उसकी कार्य क्षमता तथा विचारों को महत्व देता हो। परंतु अपने मन तथा आत्मा पर विश्वास करें। अपने मन तथा आत्मा को दुखी कर कोई काम नहीं करना चाहिए।

—o—

Scanned by TapScanner